आरती लीजो

ध्रुवपद

आरती लीजो, अज अविनाशी,
पूरण नित्यानन्द प्रकाशी, पूरण मुक्तानन्द प्रकाशी।

हे नित्यानन्द, आप जो अज [अजन्मे] हैं, अविनाशी हैं,
पूर्ण हैं व प्रकाश के प्रसारक हैं;
हे मुक्तानन्द, आप जो पूर्ण हैं, प्रकाश के प्रसारक हैं,
हमारी आरती को स्वीकार कीजिए।

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।